

पहले मुख्य समाचार।

- संसद ने पारित किया विनियोग विधेयक दो हजार छब्बीस। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने कहा-सरकार ने पारदर्शी और व्यावहारिक ढंग से तैयार किया है बजट।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में कैलाश मानसरोवर के पांच सौ पचपन यात्रियों को वितरित की एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि। कहा- धार्मिक पर्यटन के विकास के लिए लगातार काम कर रही है सरकार।
- कल से तीन दिवसीय प्रदेश दौरे पर आ रही हैं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू। रामनगरी अयोध्या में ढाई सौ कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर करेंगे राष्ट्रपति का स्वागत।
- ट्रॉमा और इमरजेंसी सेवाओं के लिए अगले पांच वर्षों में विकसित किए जाएंगे पांच हजार अतिरिक्त बेड।

संसद ने विनियोग विधेयक दो हजार छब्बीस पारित कर दिया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने कहा कि सरकार ने पारदर्शी और व्यावहारिक ढंग से बजट तैयार किया है।

राज्यसभा ने चर्चा के बाद इसे लोकसभा को वापस भेज दिया। लोकसभा पहले ही विनियोग विधेयक को अपनी मंजूरी दे चुकी है। यह विधेयक वित्तीय वर्ष दो हजार पचीस-छब्बीस की सेवाओं के लिए भारत की संचित निधि से कुछ अतिरिक्त राशियों के भुगतान और विनियोग को अधिकृत करता है।

राज्यसभा में चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने बताया कि केंद्र आर्थिक स्थिरीकरण कोष के लिए लगभग सत्तावन हजार तीन सौ बयासी करोड़ रुपये दे रहा है। उन्होंने कहा कि आगामी रबी फसल की अतिरिक्त आवश्यकताओं के लिए उर्वरक सब्सिडी के रूप में उन्नीस हजार दो सौ तीस करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं।

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा एलपीजी की घरेलू क्षमता में जिस तरह वृद्धि की गई है, वो भी अब मददगार साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि एलपीजी की आपूर्ति के लिए क्षमता बढ़ाई जा रही है और घरेलू एलपीजी उत्पादन में लगभग पचीस प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल लखनऊ में कैलाश मानसरोवर के पांच सौ पचपन यात्रियों को एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि वितरित की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों में अयोध्या, काशी, मथुरा, चित्रकूट और नैमिष धाम सहित बौद्ध धर्म स्थलों पर श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं का विकास किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने वर्ष दो हजार सत्रह-अट्ठारह में गाजियाबाद में कैलाश मानसरोवर भवन का निर्माण कराया, जहां भोजन और ठहरने समुचित सुविधा है।

डबल इंजन की सरकार का पूरा फोकस है इस बात को लेकर के कि हम लोग इस क्षेत्र में जो संभावनाएं हैं उन संभावनाओं को तेजी के साथ आगे बढ़ा सकें और उन संभावनाओं के माध्यम से प्रदेश के विकास और उसके माध्यम से नए रोजगार के अवसर भी उपलब्ध करवा सकें। उत्तर प्रदेश में लखनऊ में भी, अयोध्या में भी, काशी में भी, प्रयागराज में अन्य तीर्थ स्थलों में पर्यटन के लिए और पर्यटकों के लिए ढेर सारी सुविधाएं पिछले आठ नौ वर्षों के अंदर सरकार ने उपलब्ध करवाई है और इन सुविधाओं को और अच्छा करने का प्रयास भी किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल मिर्जापुर में विन्ध्य कॉरिडोर का निरीक्षण किया। एक रिपोर्ट-

मुख्यमंत्री ने कहा कि विन्ध्य कॉरिडोर परियोजना भारतीय सनातन परम्परा और आधुनिक वास्तुकला का अद्भुत संगम है। उन्होंने कहा कि इस कॉरिडोर से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ ही विन्ध्याचल धाम के धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत की पहचान वैश्विक स्तर पर और मजबूत होगी। मिर्जापुर से एमएस सबा की रिपोर्ट के साथ समाचार कक्ष से प्रेम चन्द्र गुप्ता।

मुख्यमंत्री ने मिर्जापुर में चैत्र नवरात्रि मेले की तैयारियों की समीक्षा करके संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस दौरान उन्होंने चैत्र नवरात्रि और रामनवमी के अवसर पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुगम दर्शन, बेहतर स्वच्छता और समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने विन्ध्याचल धाम में मां विन्ध्यवासिनी देवी के दर्शन-पूजन करके प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना भी की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कल से तीन दिन के लिए प्रदेश दौरे पर आ रही हैं। इस दौरान वह अयोध्या, मथुरा और वृंदावन जाएंगी। रामनगरी अयोध्या में एयरपोर्ट से श्री राम मंदिर तक राष्ट्रपति के भव्य स्वागत की योजना बनाई गई है। वहां के सीडीओ कृष्ण कुमार सिंह ने बताया कि संस्कृति विभाग के प्रयास से एयरपोर्ट से राम मंदिर गेट तक शहर की सड़कों पर करीब बीस सांस्कृतिक मंच सजाए जा रहे हैं, जहां लगभग ढाई सौ कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

राष्ट्रपति कल अयोध्या में नव वर्ष प्रतिपदा के पावन अवसर पर श्रीराम यंत्र का विधि विधान से पूजन करेंगी। इससे पहले, आज श्रीराम जन्म भूमि मंदिर में इस यंत्र की विधिवत स्थापना की जाएगी। एक रिपोर्ट-

यह श्री राम यंत्र करीब दो वर्ष पूर्व कांची कामकोटि पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य ने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भेंट किया था, जिसकी अब तक मंदिर परिसर में पूजा की जा रही थी। वैदिक मान्यता के अनुसार किसी भी मंदिर में यंत्र की स्थापना से उस स्थान की आध्यात्मिक ऊर्जा और अधिक सशक्त मानी जाती है। तन्मय सोनी आकाशवाणी समाचार अयोध्या।

मथुरा-वृंदावन में राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए भव्य स्वागत के साथ सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किये जा रहे हैं। मथुरा के एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि राष्ट्रपति के दौरे के मद्देनजर तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था रहेगी।

राष्ट्रपति महोदया के विजिट को लेकर के पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। जो तीन दिवस का कार्यक्रम है उसमें विभिन्न मंदिर, आश्रम, हास्पिटल और गोवर्धन जी की परिक्रमा का प्रस्तावित है। जिसके लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सभी पड़ावों पर एस.पी. रैंक के अधिकारी प्रभारी बनाए गए हैं।

अगले पांच वर्षों में प्रदेश में ट्रॉमा और इमरजेंसी सेवाओं के लिए लगभग पांच हजार अतिरिक्त बेड विकसित किए जाएंगे। यह जानकारी उप मुख्यमंत्री एवं चिकित्सा शिक्षा और चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के मंत्री ब्रजेश पाठक ने दी। वह किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के अटल बिहारी वाजपेयी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित एक कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे। इस दौरान श्री पाठक ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को समय पर और बेहतर आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हों। इस अवसर पर विभाग के राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने कहा कि राज्य सरकार ट्रॉमा और इमरजेंसी सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध है।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सरबानंद सोनोवाल ने कल एलपीजी वाहक पोत शिवालिक और नंदा देवी के भारतीय चालक दल से बातचीत की। एक सोशल मीडिया पोस्ट में श्री सोनोवाल ने बताया कि चालक दल ने बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच फारस की खाड़ी और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरते समय सतर्कता, समन्वय और जिम्मेदारी का प्रदर्शन किया है। श्री सोनोवाल ने यह भी कहा कि देश अपने नाविकों की सुरक्षा और सुगम तथा कुशल समुद्री संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इससे पहले, भारतीय पोत नंदा देवी लगभग छियालीस हजार मीट्रिक टन एलपीजी लेकर कल गुजरात के वडीनार बंदरगाह पहुंचा। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया है कि दोनों एलपीजी वाहकों- शिवालिक और नंदा देवी से माल उतारने का काम शुरू कर दिया गया। इस बीच, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि देश में पेट्रोल और डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

कूड अवेलेबिलिटी सामान्य है। हमारी रिफाईनरीज उच्चतम स्तर पर काम कर रही हैं। रिटेल आउटलेट्स पर कोई शॉर्टेज नहीं है। पेट्रोल और डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। नेचुरल गैस के संबंध में भारत सरकार का यह प्रयत्न है कि जो भी कमर्शियल एलपीजी कंज्यूमर्स हैं, अगर वह पीएनजी पर शिफ्ट हो तो अच्छा होगा। इसी दिशा में भारत सरकार भी प्रयासरत है।

वहीं, प्रदेश सरकार के निर्देश पर राज्य भर में कालाबाजारी और अवैध बिक्री के खिलाफ व्यापक अभियान जारी है। इसके अलावा खाद्य आयुक्त कार्यालय में पेट्रोलियम पदार्थों के वितरण से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए कंट्रोल रूम भी चौबीस घंटे सक्रिय है।

प्रदेश के सहायता प्राप्त अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों और कर्मचारियों को अब सेवानिवृत्ति पर मिलने वाली ग्रेच्युटी राशि की अधिकतम सीमा बीस लाख रुपये से बढ़ाकर पचीस लाख रुपये कर दी गयी है।
